>

Title: Regarding death of labourers due to cloudburst in Leh-Ladak, J & K.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): अध्यक्ष महोदया, हाल ही में लेह में बादल फटने से काफी परिवार, खासकर झारखंड राज्य के 2500 मजदूर आज भी वहां फंसे हुए हैं। झारखंड सरकार ने पहल की है। हमारा आग्रह है कि जो मजदूर वहां फंसे हुए हैं, उन्हें किस प्रकार झारखंड लाया जाए, भारत सरकार को इसकी चिन्ता करनी चाहिए। भविष्य में अगर श्रमिक एक राज्य से दूसरे राज्य में नियोजन के लिए जाते हैं तो निश्चित रूप से उनका रजिस्ट्रेशन होना चाहिए और पूर्ण ब्यौरा भी रहना चाहिए। वर्तमान में प्रत्येक पीड़ित परिवार के व्यक्ति को आर्थिक सहायता, मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। लेह में झारखंड सहित देश के श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाने की व्यवस्था की जाए। हमारा आग्रह है कि सरकार इस पर चिंतन करे, क्योंकि वे आदिवासी परिवार हैं और झारखंड से पलायन करके लेह गए हुए हैं।